॥ श्री जानकीरमणो विजयते ॥

महन्त कमलनयन दास शास्त्री

उत्तराधिकारी

महन्त श्री नृत्यगोपाल दास श्री महाराज

श्री मणिरामदास छावनी सेवा ट्रष्ट

वासुदेवघाट, श्री अयोध्या जी-२२४१२३

4-06-2022

दिनाङ्कः २ मे २०२५

विषयः अयोध्या धाम ८७वाँ पावन प्राकट्य दिवस समारोह का मुख्य अतिथि निमंत्रण पत्र।

भारतवर्ष की महान विभूति, परम पूज्य श्री मणिरामदास जी महाराजद्वारा प्रतिष्ठित श्री मणिरामदास छावनी, श्रीरामानंद वैष्णव परंपरा की एक प्राचीन एवं दिव्य पीठ है, जो युगों से संतों की तपस्या, भक्ति एवं अध्यात्म की अखण्ड साधना का पावन केन्द्र रही है। यह पीठ न केवल भारतवर्ष में, अपितु सम्पूर्ण सनातन जगत में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक रही है। वर्तमान पीठाधीश्वर, महान युगपुरुष, पूज्य सद्गुरुदेव भगवान, प्रातः स्मरणीय, अनन्त श्री विभूषित, वैष्णव कूलभूषण, पूज्यपाद महन्त श्री नृत्यगोपालदास जी महाराज (श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एवं कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के प्रमुख) के ८७वें पावन प्राकट्य महोत्सव के शुभ अवसर पर एक भव्य एवं दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें धर्म, भक्ति, योग और संस्कृति का महासंगम होगा।

हमें अत्यंत हर्ष और गौरव की अनुभूति हो रही है कि नेपाल के गौरव, प्राचीन हरिद्वार चतरा धाम, जगद्गुरु श्रीरामानंदाचार्य सेवापीठ, नेपाल (तारकब्रह्म पीठ) के पीठाधीश्वर, त्रिदण्डी स्वामी, परम पूज्य अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्रीरामकृष्णाचार्य (महायोगी सिद्धबाबा) जी महाराज को इस दिव्य नवदिवसीय समारोह में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित किया गया है।

नेपाल, जहाँ भगवान पशुपतिनाथ स्वयं विराजमान हैं, श्री जानकी जी की प्रकट भूमि जनकपुरधाम, प्रभु श्रीराम-जनकनन्दिनी सीता का पावन मिलन स्थल और मुक्तिनाथ धाम मोक्ष प्राप्ति का दिव्य द्वार है। आज भारत के अयोध्या धाम के साथ मिलकर सनातन धर्म की एकता, दिव्यता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुपम उत्सव मना रहा है। हिमालय की निर्मलता, वराहक्षेत्र की दिव्यता और कौशिकी नदी की आध्यात्मिक धरा के समान यह आयोजन सम्पूर्ण विश्व को धर्म-चेतना से सिंचित कर देगा।

लगभग दुई-ढाई सौ वर्ष पूर्व लुप्त रामानंद सम्प्रदाय की प्राचीन उपासना पद्धति सुरत-शब्द योग (जिसे हिमालयन सिद्ध महायोग ध्यान साधना भी कहा जाता है) को आपने घोर तप, गहन अध्ययन, साधना तथा समाधि के माध्यम से पुनः प्राप्त कर सम्पूर्ण मानवता के कल्याण हेतु समर्पित किया है। यह दिव्य योग परंपरा अब आपकी कृपा, उपदेश और अमृतवाणी के माध्यम से संसारभर के साधकों एवं भक्तों को पुनः सुलभ हो रही है।

आपकी दिव्य उपस्थिति इस समारोह में उपस्थित साधकों, संतों, श्रद्धालुओं तथा देश-विदेश में दूरदर्शन माध्यम से जुड़े करोड़ों भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा, योग-चेतना एवं भक्ति-प्रकाश से आलोकित कर देगी। यह आयोजन, आपके पावन सान्निध्य में, एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ के रूप में सदैव स्मरणीय बन जाएगा।

समारोह विवरण :

- **दिनांकः ०१ जून से १० जून २०२५ तक**

  श्रीरामकथा (श्रीमद् वाल्मीकीय रामायणम्), सुरत-शब्द योग ध्यान साधना (अजपा जाप साधना),
  अखिल भारतीय विराट संत सम्मेलन, फूलबंगला झाँकी दर्शन,
  पूज्य महन्त श्री नृत्यगोपालदास जी महाराज का महाभिषेक, विशाल वैष्णव भण्डारा।

- **स्थानः श्री मणिरामदास छावनी, अयोध्या धाम, भारत।**

4-06-2022

कमलनयन दास

....

महन्त श्री कमलनयन दास शास्त्री जी
उत्तराधिकारी, श्री मणिरामदास छावनी